'जल स्वावलम्बन पखवाड़े में वर्षा जल संग्रहण व स्वच्छता पर जोर दिया जायेगा'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने अधिकारियों को पखवाड़े की गतिविधियों में आमजन व गाँवों को जोड़ने के निर्देश दिये

■ मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 जून को योग दिवस को प्रदेश की संस्कृति एवं धरोहर से जोड़ते हुए हर संभाग व जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर योगाभ्यास का आयोजन सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिये गये हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारीयों को 5 जून से 20 जून तक मनाये जाने वाले जल स्वावलम्बन पखवाड़े में आयोजित होने वाली गतिविधियों में आमजन की पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जयपुर, 28 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर, इस वर्ष गंगादशमी का अनूठा संयोग बना है। गंगादशमी की मान्यता को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार इस अवसर को जल स्वावलम्बन पखवाड़े के माध्यम से वर्षा जल के अधिक संग्रहण तथा जल स्रोतों के रख-रखाव एवं स्वच्छता के लिए व्यापक स्तर पर मनाने जा रही है।

शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि जल स्वावलम्बन पखवाड़े में आयोजित होने वाली गतिविधियों में आमजन की पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित हो तथा प्रत्येक गांव को इन गतिविधियों में जोड़ा जाए ताकि यह एक जन आंदोलन का रूप ले सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 जून से 20 जून तक जल स्वावलम्बन पखवाड़ा मनाया जाएगा। 5 जून को गंगा दशमी एवं विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में, प्रत्येक ग्राम एवं शहर में समस्त विभागों द्वारा जल स्रोतों, नदियों, जल धाराओं एवं तालाबों पर पूजन, कलश यात्रा, जागरूकता अभियान, स्वच्छता अभियान एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शर्मा ने कहा कि जल स्वावलम्बन पखवाड़े में पेयजल स्रोतों की सफाई, मरम्मत, जल बचत हेतु जन जागरूकता अभियान सहित अन्य कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर विश्व भर में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से योग का बड़ा महत्व है और राज्य सरकार ने इस वर्ष के योग दिवस के आयोजन को प्रदेश की संस्कृति एवं धरोहर से जोड़ते हुए, प्रत्येक संभाग व जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर योगाभ्यास का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

देश में करोना के एक हज़ार से ज्यादा एक्टिव केस

नयी दिल्ली, 28 मई। भारत में कोविड-19 के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना वायरस से संक्रमित सक्रिय मामले 1,010 हैं। आंकड़ों के अनुसार, केरल और महाराष्ट्र सबसे गंभीर रूप से प्रभावित राज्यों में से हैं। मामलों में यह वृद्धि दो नए उप-वेरिएंट - एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 - का पता लगने के साथ हुई है, जिनकी वर्तमान में वैश्विक स्वास्थ्य प्राधिकरण निगरानी कर रहे हैं। भारत सहित सिंगापुर, चीन, थाईलैंड और हांगकांग जैसे अन्य दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में भी कोविड के मामलों में वृद्धि देखी गई है।

■ सबसे ज्यादा 430 एक्टिव केस केरल में हैं, इनमें से 335 नए मामले हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी किए गए राज्यवार आंकड़ों के अनुसार, केरल और महाराष्ट्र में कोरोनावायरस के मामलों में सबसे ज़्यादा वृद्धि देखी गई है। केरल में 430 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 335 नए हैं। इस बीच, महाराष्ट्र में 154 नए संक्रमण के साथ 210 मामले सामने आए हैं।

'तमिल भाषा से जन्मी है कन्नड़'

फिल्म स्टार कमल हासन की इस टिप्पणी से कर्नाटक में बवाल मच गया है

-लक्ष्मण कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

■ कर्नाटक में उनकी इस टिप्पणी का भारी विरोध किया जा रहा है। कन्नड़ एक्टिविस्ट धमकी दे रहे हैं कि अगर एक्टर ने माफी नहीं मांगी तो उनकी फिल्म ''ठग लाइफ'' को कर्नाटक में प्रदर्शित नहीं होने दिया जाएगा।

■ कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, ''कन्नड़ भाषा का इतिहास बहुत पुराना है... बेचारे कमल हासन को यह पता ही नहीं है।''

बेंगलुरु, 28 मई। भाषा का मुद्दा कर्नाटक में बेहद संवेदनशील बन चुका है, जहां इससे जुड़ा हर पहलू यहां के लोगों और कार्यकर्ताओं के दिलो-दिमाग में सर्वोपरि है। हिंदी भाषी प्रवासी अपनी हरकतों व बातों से पहले ही कन्नड़ बोलने वालों को मानसिक तनाव दे रहे हैं और अब तमिल फिल्म सुपरस्टार कमल हासन की कन्नड़ भाषा पर की गई विवादास्पद टिप्पणी ने राज्य को आक्रोशित कर दिया है।

कमल हासन की यह टिप्पणी कि ''तमिल ने कन्नड़ को जन्म दिया'' सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। इसके बाद कर्नाटक के लोग और भाजपा की कर्नाटक इकाई समेत कई लोगों ने अभिनेता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। चेन्नई में अपनी फिल्म ''ठग लाइफ'' के प्रचार कार्यक्रम के दौरान दिए गए इस बयान की वीडियो क्लिप तेजी से वायरल हो गई है।

इस टिप्पणी के खिलाफ बेंगलुरु, मैसूरु, हुबली और कुछ अन्य शहरों में कई कन्नड़ समर्थक संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किए। प्रदर्शनकारियों ने कमल हासन से कहा है कि कर्नाटक की जनता से माफी मांगें और चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो वे राज्य में ''ठग लाइफ'' फिल्म का प्रदर्शन नहीं होने देंगे।

एक्स पर विजयेन्द्र नामक एक यूज़र ने अभिनेता की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, ''अपनी मातृभाषा से प्रेम करना चाहिए, लेकिन किसी अन्य भाषा का अपमान करना असंस्कारी व्यवहार है। विशेष रूप से कलाकारों को हर भाषा का सम्मान करना चाहिए। यह अत्यधिक अहंकार की पराकाष्ठा है कि एक ऐसा अभिनेता, जिसने कई भारतीय भाषाओं में काम किया है, जिसमें कन्नड़ भी शामिल है, वह अपनी तमिल भाषा को महिमामंडित करते हुए कन्नड़ का अपमान कर रहा है, यही नहीं उसने अभिनेता शिवराज कुमार को भी इसमें घसीट लिया है।''

यूज़र ने आगे कहा, ''कन्नड़ भाषा भारत समेत विश्व के कई हिस्सों में ऐतिहासिक रूप से स्थापित रही है। कन्नड़ दुनिया की सबसे मान्यता प्राप्त भाषाओं में से एक है, यह बात कमल हासन जैसे संकीर्ण मानसिकता वालों को समझनी चाहिए।''

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस विवाद पर टिप्पणी करते हुए कहा, ''कन्नड़ भाषा का इतिहास बहुत लंबा है। बेचारे कमल हासन इससे अनजान हैं।''

इसी तरह की भावनाएं व्यक्त करते हुए भाजपा कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी.वाय. विजयेंद्र ने कहा, ''कमल हासन कोई इतिहासकार नहीं हैं कि वे यह तय करें कि कौन-सी भाषा किससे उत्पन्न हुई। कन्नड़ भाषा, जिसका इतिहास ढाई हजार साल से भी अधिक पुराना है, भारत के नक्शे पर समृद्धि और सौहार्द का प्रतीक है।''

भारत की विशाल सैन्य क्षमता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकता है, जिससे परमाणु उपयोग की सीमा और भी नीचे आ जाती है। पाकिस्तानी सेना मानती है कि यह रणनीति उसकी प्रतिरोधक शक्ति को मजबूत करती है और भारत की पारंपरिक श्रेष्ठता के बावजूद, दोनों देशों के बीच सामरिक संतुलन बनाए रखती है।

हालांकि, डीआइए चेतावनी देता है कि यह रणनीति अत्यंत गंभीर जोखिमों से भरी हुई है। टैक्टिकल परमाणु हथियारों की तैनाती से गलत अनुमान या आकस्मिक उकसावे का खतरा काफी बढ़ जाता है। इस हथियारों को आगे की पंक्ति में तैनात करने और कमान का विकेन्द्रीकरण करने की जरूरत होती है, जिससे इनका अनाधिकृत उपयोग या चोरी का खतरा बढ़ जाता है। और एक बार यदि परमाणु हथियारों का प्रयोग शुरु हो गया तो भले ही वह कम क्षमता वाला हो, स्थिति को काबू में रखना बेहद मुश्किल हो जाता है। घबराहट, गलतफहमी या राजनीतिक दबाव के चलते पूर्ण परमाणु युद्ध की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता।

चीन पर पाकिस्तान की बढ़ती सैन्य निर्भरता स्थिति को और जटिल बना देती है। डीआईए की रिपोर्ट बताती है कि यह रणनीतिक साझेदारी इस्लामाबाद को खास तौर पर मिसाइल तकनीक और ''कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम्स'' में तेजी से आधुनिक बनाने में मदद कर रही है। हालांकि इससे पाकिस्तान की सैन्य क्षमताएं बढ़ती हैं, लेकिन इससे क्षेत्र में हथियारों की होड़ भी बढ़ रही है और संकटों के समाधान की संभावना कम हो रही है।

डीआईए की 2025 की खतरा-आकलन रिपोर्ट यह स्पष्ट करती है कि भारत को लेकर पाकिस्तान का ''अस्तित्व संबंधी खतरे'' का नज़रिया केवल बयानबाज़ी नहीं है, यह उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का प्रमुख आधार है। उसके टैक्टिकल परमाणु हथियारों और विषम युद्ध क्षमताओं में लगातार निवेश से उसकी पारंपरिक सैन्य असुरक्षा झलकती है। यह रणनीति भले ही अल्पकालिक प्रतिरोध की गारंटी देती हो, लेकिन इससे परमाणु हथियारों के उपयोग की हद खतरनाक रूप से घट जाती है और पहले से अस्थिर इस क्षेत्र को और अधिक विस्फोटक बना देती है।

जयपुर में आज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामने आ चुके हैं। इनमें से 1 मरीज की मौत भी हो चुकी है।

हालांकि स्थिति नियंत्रण में है, फिर भी स्वास्थ्य विभाग सतर्कता बरतने की अपील कर रहा है।

जिलेवार आंकड़ों पर नजर डालें तो जयपुर में सबसे अधिक 17 केस दर्ज किए गए हैं, जबकि जोधपुर में 6, उदयपुर में 4, डीडवाना में 3, बीकानेर में 2, अजमेर 2, बालोतरा 1, दौसा 1, फालौदी 1 तथा सवाईमाधोपुर में 1 मरीज सामने आया है। राज्य सरकार और चिकित्सा विभाग ने नागरिकों से कहा है कि थोड़ी सी भी लापरवाही भारी पड़ सकती है।

इसलिए भीड़भाड़ वाले इलाकों में मास्क पहनें और बुखार, खांसी या सांस की तकलीफ होने पर तुरंत जांच करवाएं।

राजस्थान सहित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाक युद्ध के बाद पहली बार इतने बड़े पैमाने पर हुआ मॉक ड्रिल था, तथा देशभर के 250 स्थानों और 33 राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों में यह मॉक ड्रिल की गई थी।

जस्टिस के.आर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बॉम्बे हाईकोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया और 2 मार्च, 2016 को इस पद पर स्थाई नियुक्ति दी गई। जस्टिस श्रीराम को 21 सितंबर 2024 को मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत किया गया। दूसरी ओर, व्यक्तिगत जीवन में सीजे श्रीराम सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल होते थे। उन्होंने कई सालों तक एक एनजीओ में उपाध्यक्ष के तौर पर काम किया। यह एनजीओ दिवंगत लोगों के लिए अंतिम संस्कार और श्राद्ध करने की व्यवस्था करता है। इसके अलावा उन्हें गोल्फ खेलना भी पसंद है।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रो. महमूदाबाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जा सकता है, कहा, हम निर्देश देते हैं कि एसआईटी की जांच दो मुकदमों के तथ्यों तक ही सीमित रहेगी। अदालत ने हरियाणा पुलिस से प्रोफेसर महमूदाबाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के संबंध में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के नोटिस पर अपनी प्रतिक्रिया के बारे में भी बताने को कहा।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 21 मई को कहा कि उसने गिरफ्तार अहमूदाबाद के संबंध में एक मीडिया रिपोर्ट का स्वत: संज्ञान लिया है।

पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने आशंका जताई थी कि जांच का इस्तेमाल मुकदमों इतर अन्य चीजों को देखने के लिए भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा था कि पुलिस उनसे (महमूदाबाद) डिवाइस मांग रही है।

पीठ ने इस पर हरियाणा सरकार के वकील से पूछा, दोनों मुकदमें रिकॉर्ड में दर्ज हैं। ऐसे में डिवाइस की क्या जरूरत है? दायरा बढ़ाने की कोशिश न करें।

शीर्ष अदालत ने एसआईटी को जुलाई में अगली सुनवाई की तारीख पर जांच रिपोर्ट पेश करने का निर्देश देते हुए कहा कि वह प्रो. महमूदाबाद को दी गयी अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ा रहा है।

''फर्जी'' पुलिस मुठभेड़ों की जांच होगी

नयी दिल्ली, 28 मई। उच्चतम न्यायालय ने असम में फर्जी पुलिस मुठभेड़ों के आरोपों की स्वतंत्र और समयबद्ध जांच करने के लिए बुधवार को असम मानवाधिकार आयोग को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा में मानवाधिकार आयोगों के संवैधानिक महत्व को रेखांकित करते हुए एएचआरसी यह संवेदनशील जिम्मेदारी सौंपी।

उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चित्तौड़गढ़ -भीलवाड़ा में बारिश जारी है। जैसलमेर में सुबह से रेत का गुबार (धूलभरी आंधी) है।

मध्यप्रदेश के 15 से ज्यादा जिलों में मंगलवार को बारिश हुई। आज भी भोपाल, इंदौर-उज्जैन समेत 40 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश की चेतावनी है। कुछ जिलों में आंधी की रफ्तार 50किमी./घंटा तक हो सकती है। बिहार के 12 जिलों में आज बारिश का यलो अलर्ट है। इस बार मानसून सीजन (जून से सितंबर) में सामान्य से ज्यादा बारिश होने का अनुमान है। जून महीने में भी बारिश सामान्य से ज्यादा होगी।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में कांग्रेस का एक अहम चेहरा माना जाता है।

केरल में कांग्रेस के कुछ नेता, वेणुगोपाल की कृपा पाने के लिए, थरूर पर निशाना साध रहे हैं और उनके खिलाफ नित नई कहानियाँ गढ़ रहे हैं।

संगठन का निर्माण करने, राज्य इकाइयों को मजबूती प्रदान करने, नरेन्द्र मोदी की विफलताओं को उजागर करने, विभिन्न राज्यों में विधानसभा चुनाव जीतने की रणनीति बनाने तथा नरेन्द्र मोदी को सत्ता से बेदखल करने के प्रयासों के बजाय, कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता अपना समय, ऊर्जा और प्रयास थरूर पर हमला बोलने और उन्हें पार्टी से निकलवाने में लगा रहे हैं।

थरूर कांग्रेस की बड़ी तस्वीर में एक छोटा हिस्सा हैं, लेकिन वेणुगोपाल जैसे नेताओं के लिए वही पूरी तस्वीर बन चुके हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता भी मानते हैं कि फिलहाल मोदी सबसे कमज़ोर स्थिति में हैं, लेकिन कांग्रेस मोदी पर निशाना साधकर इस अवसर का लाभ नहीं उठा रही है और न ही मोदी और भाजपा-आरएसएस के बीच की दरारों को राजनीतिक रूप से भुनाया जा रहा है।

कांग्रेस को पूरी तरह एहसास है कि उसकी सबसे बड़ी कमजोरी संगठन है, और इसी को दुरुस्त करने की ज़रूरत है। लेकिन जब राहुल गांधी ने वेणुगोपाल को संगठन पर एकतरफा नियंत्रण दे रखा है, तो सुधार की सारी कोशिशें शुरू होने से पहले ही विफल हो जाती हैं।

अगर राहुल गांधी वास्तव में चुनाव जीतना चाहते हैं, मोदी को सत्ता से हटाना चाहते हैं और कांग्रेस को देश की मुख्यधारा की राजनीति में वापसी दिलाना चाहते हैं तो उन्हें पार्टी और संगठन पर पूरा ध्यान देना होगा।

अल्पसंख्यकों और...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आग उगलने और आतंकवाद के लिए उसकी निंदा करने के बाद, बनर्जी ने बंगाली गौरव से जुड़े एक और मुद्दे, डॉ. रास बिहारी बोस, की ओर रुख किया, जिन्होंने 1920 के दशक में जापान में भारत के स्वतंत्रता संग्राम की अलख जगाई थी।

अपने आधिकारिक कार्यक्रम के बाद, अभिषेक बनर्जी टोक्यो में रास बिहारी बोस के स्मारक पर गए, जहां उनके साथ जापान में भारत के राजदूत और टीम के अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

यह कदम महत्वपूर्ण है, क्योंकि बंगाल के स्वतंत्रता सेनानियों, विशेष रूप से विदेश में उनके संघर्षों का जिक्र, बंगाल के निवासियों के बीच गहरी छाप छोड़ता है। उम्मीद की जा रही है कि आगामी राज्य विधानसभा चुनाव में पार्टी के लिए यह लाभदायक हो सकता है।

ममता बनर्जी अगले विधानसभा चुनाव में कड़े मुकाबले की आहट महसूस कर रही हैं, क्योंकि वे कई मोर्चों पर घिरी हुई हैं। बहुसंख्यक समुदाय की सहानुभूति हासिल करना उनके लिए आसान नहीं होगा, खासकर विभिन्न मोर्चों पर उनके शासन की विफलताओं को देखते हुए।

अब वे राजनीति के हर रंग को पकड़ने की कोशिश कर रही हैं। यह कितना सफल होगा, यह तो समय बताएगा। हालांकि, अभी तक ममता बनर्जी का बंगाल पुलिस और प्रशासन पर जबरदस्त नियंत्रण बना हुआ है। यही संस्थाएं पार्टी के लिए बूथ पर कब्जा करने और वोट जुटाने में मदद करेंगी।

लोकपाल ने पूर्व सेबी प्रमुख माधवी बुच पर लगे भ्रष्टाचार के सभी आरोप खारिज किए

माधवी बुच को क्लीन चिट देते हुए लोकपाल ने कहा कि हिंडन बर्ग रिपोर्ट को बुच के खिलाफ कार्यवाही का आधार नहीं बनाया जा सकता

■ लोकपाल चेयरपर्सन जस्टिस ए एम खानविलकर ने कहा, आरोप निराधार, अप्रमाणित तथा निरर्थक हैं।

नयी दिल्ली, 28 मई। भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों की जांच करने वाली संस्था लोकपाल ने बुधवार को हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के आधार पर बाजार नियामक सेबी की पूर्व प्रमुख माधबी पुरी बुच के खिलाफ अनुचित व्यवहार और हितों के टकराव का आरोप लगाने वाली शिकायतों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि आरोप पूरी तरह से धारणा पर आधारित हैं और उसके समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं हैं। लोकपाल चेयरपर्सन न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय पीठ ने आदेश मेंमाना कि शिकायतों की जांच का आदेश देने के लिए कोई प्रथम दृष्टया मामला मौजूद नहीं है। लोकपाल ने कहा कि आरोप निराधार, अप्रमाणित और काफी हद तक निरर्थक हैं।

अपने आदेश में लोकपाल ने उल्लेख किया कि जब बुच ने सेबी में कार्यभार स्वीकार किया था, तब उन्होंने एएपीएल में अपने शेयरों और अपने पति के पक्ष में किए गए हस्तांतरणों का खुलासा किया था। इस बात का दूर-दूर तक कोई संकेत नहीं है कि उन्होंने सेबी के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में कार्यभार संभालने के बाद भी एएपीएल के बैनर तले अपना परामर्श कार्य जारी रखा। बुच के खिलाफ आरोप पूरी तरह से हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर आधारित हैं, शिकायतकर्ता आरोपों को पुष्ट करने के लिए कोई ठोस सबूत पेश करने में विफल रहे हैं। लोकपाल ने आदेश में कहा कि इसको देखते हुए इन शिकायतों का निपटान किया जाता है।

लोकपाल ने इस संबंध में पहले के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट को बुच के खिलाफ कार्रवाई बढ़ाने का एकमात्र आधार नहीं बनाया जा सकता। आदेश में कहा गया, ''शिकायतकर्ताओं ने कथित रिपोर्ट से स्वतंत्र होकर आरोपों को स्पष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन हमारे विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकला कि वे प्रमाणिक नहीं हैं। लोकपाल ने पिछले साल आठ नवंबर को लोकसभा सदस्य मोइत्रा और दो अन्य की तरफ से दायर शिकायतों पर बुच से 'स्पष्टीकरण मांगा था। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की पूर्व प्रमुख बुच को चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब देने के लिए कहा गया था। बुच ने सात दिसंबर, 2024 को हलफनामे के माध्यम से अपना जवाब दाखिल किया था। उसमें उन्होंने कुछ मुद्दे उठाए थे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908